

श्री एस० एस० अहलुवालिया: सर, यह गलतबयानी हो रही है। अभी कोलकाता कारपोरेशन की रिपोर्ट आई है। कोलकाता कारपोरेशन के बारे में बंगाल विधान सभा में उनके ऐजुकेशन मिनिस्टर ने खुद कहा है कि 245 गवर्नमेंट ओन्ड स्कूलों में से सिर्फ 125 स्कूलों में ही संडास की व्यवस्था की जा सकी है, दूसरों में नहीं की जा सकी है। आप कह रहे हैं कि पूरे देश में कर दिया है लेकिन मैं कलकत्ता की बात कर रहा हूँ।(व्यवधान).....आप कहिए कि प्रावधान किया है।

डा० रघुवंश प्रसाद सिंह: हमने कहा कहा है कि सभी विद्यालयों में प्रबंध कर दिया गया है? ... (व्यवधान)... हमने यह कहा है कि टोटल सैनिटेशन कैम्पेन में सभी विद्यालयों में पानी और पाखाने का प्रबंध करने के लिए योजना बना दी गई है। उसका कार्यान्वयन किया जा रहा है और उसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। 3744 करोड़ रुपए का उसमें प्रोजेक्ट बनाया गया है और महोदय, यह टोटल सैनिटेशन कैम्पेन 398 जिलों में था, जिसको बढ़ाकर नए 142 जिलों में और किया गया है और देश भर के करीब 66 जिलों में टोटल सैनिटेशन कैम्पेन के तहत सभी के लिए प्रबंध किया जा रहा है और मैं समझता हूँ कि सन् 2005 तक सभी विद्यालयों में पानी-पाखाने का इंतजाम कर दिया जाएगा।

Expenditure incurred on the Security of VIP's

*322. SHRI TARIQ ANWAR. Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Government are considering to reduce the security provided to the hundreds of VIPs,

(b) if so, the details thereof,

(c) the total number of VIPs who have been provided with the security; and

(d) the total expenditure incurred on the security of VIPs annually?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SRIPRAKASH JAISWAL). (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House

श्री तारिक अनवर: सभापति महोदय, यह सही है कि आज हमारे देश में आतंकवाद और उग्रवाद एक जटिल समस्या है और उसको ध्यान में रखकर अगर सुरक्षा प्रदान की जाती है तो उसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, परंतु आज हमारे देश में जो सरकारी सुरक्षा दी जा रही है और ली

जा रही है, वह एक तरह से स्टेटस सिम्बल बन गया है। सबसे बिड़बना की बात यह है कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले हर व्यक्ति को आज सुरक्षा चाहिए। यहां तक कि पंचायत स्तर के भी जो हमारे प्रतिनिधि हैं, वे भी आज सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा है कि व्यक्तियों द्वारा धारित पद और खतरे के आधार पर सुरक्षा प्रदान की जाती है। हम उनसे यह जानना चाहेंगे कि इतनी बड़ी संख्या में आज जो सुरक्षाकर्मी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ उनकी सेवा में जुड़े हैं उसके कारण देश और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में कितनी अड़चन पैदा हो रही है?

सभापति महोदय, सभी लोग जानते हैं, खास तौर पर राजधानी दिल्ली में, कि किस तरह से ट्रैफिक के अंदर सुरक्षा को लेकर आम आदमी को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो लोग आज सुरक्षा के अंतर्गत आते हैं, उसका चे रिव्यू कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं और किस प्रकार से, किस आधार पर उनको सुरक्षा अभी भी दी जा रही है?

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर, यह एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। समय-समय पर जिन लोगों को सिक््योरिटी प्रदान की गई है, समय-समय पर हमारे अधिकारी उसको बैठकर रिव्यू करते रहते हैं और इसके लिए बाकायदा एक कमेटी बनी हुई है जिसमें स्पेशल सेक्रेटरी या ऐडीशनल सेक्रेटरी चेयरमैन होता है, स्पेशल हायरेक्टर आई बी का होता है उस कमेटी में, स्पेशल कमिश्नर दिल्ली पुलिस का होता है, ज्वाइंट सेक्रेटरी एम् एच ए का होता है। ये लोग बैठकर समय-समय पर रिव्यू करते रहते हैं और जहां कहीं भी आवश्यकता होती है, सिक््योरिटी को घटया जाता है, सिक््योरिटी को बढ़ाया जाता है या सिक््योरिटी को समाप्त कर दिया जाता है। यह बात सही है कि बहुत सारी दिक्कतें होती हैं, ट्रैफिक की दिक्कतें होती हैं, लेकिन हमारे देश की परिस्थितियों को देखते हुए ये सारी दिक्कतें हमको भी उठानी पड़ती हैं, देश की जनता को भी उठानी पड़ती हैं।?

श्री तारिक अनवर: सर, हमारा दूसरा सवाल यह है कि क्या यह बात सही नहीं है कि बहुत से जो संदिग्ध लोग हैं, जिन पर क्रिमिनल केसेज चल रहे हैं, जिन पर मुकदमें चल रहे हैं, और जो बहुत ही अपराध में लिप्त रहे हैं, वैसे लोगों को सरकार सुरक्षा दे रही है? ऐसे कितने लोगों की सूची है?

श्री बलबीर के पुंज: सर ऐसे लोगों को बीआईपी की सुरक्षा(व्यवधान)...

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर, यह आरोप सही नहीं है।(व्यवधान)... ये आरोप सही नहीं हैं।

सभापति महोदय, आप बैठिए, बैठिए। यूं मत करिए, आप।(व्यवधान)... बैठ जाइए। मंत्री जी को बोलने दीजिए।(व्यवधान)...

श्री दत्ता मेघे: सर(व्यवधान)...

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: यह आरोप सत्य नहीं है कि ऐसे लोगों को कोई सुरक्षा प्रदान की जाती है जो माफिया हैं और जो गलत कामों में लिप्त हैं।(व्यवधान)... ऐसे लोगों को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है।(व्यवधान)... बल्कि सुरक्षा के लिए एक कमेटी होती है, वह सुरक्षा प्रदान करती है। ऐसा नहीं है कि माफिया या गलत लोगों को सुरक्षा प्रदान की जाती है। मैं इस आरोप से बिल्कुल सहमत नहीं हूँ।

SHRI FALI S. NARIMAN: Sir, I only rise to say one thing to the Ministry. After 56 years of our independence, must we not get rid of the concept 'VIP'? Who is a VIP in this country Surely, there are Presidents, Vice-Presidents, Judges, etc. They are all important people; they perform their duties. And, I would respectfully submit that when we profess equality, when we talk from the housetops about equalities and inequalities and go to the courts for it, why should we have this special category of citizens viz V.I.P.s. or V.V.I.P.s? It is an obnoxious category, and I object to it. If they are terrorist-infected persons, then, call them. TIPs, if you like. But let us not have this category of VIPs. There is no very important person. Everyone is as important or as unimportant as the other. Abolish the word, Minister.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर हमारे देश के हालात से पूरा देश वाकिफ है। जिस तरीके की आतंकवाद की घटनाएं हुई हैं, जिस तरीके से देश को आतंकवादियों ने निशाने पर बनाने की कोशिश की है। इसलिए यह संभव नहीं है कि किसी को कोई सुरक्षा न दी जाए या आतंकवादियों से अगर उनको भय है तो उनको सुरक्षा प्रदान न की जाए और जो देश के लिए कार्य कर रहे हैं, उस कार्य से उनको रोका जाए। इसलिए ऐसा संभव नहीं है लेकिन इसको समय-समय पर हमारी रिव्यू कमेटी रिव्यू करती है। जिसको आवश्यकता होती है, उसी को सिक्योरिटी कम कर दी जाती है या सुरक्षा बढ़ा दी जाती है।

श्रीमती सविता शारदा: सर आसाम में आतंकवादियों ने इतने लोगों को मार दिया इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। जो वी०आई०पी० नहीं हैं, आम आदमी हैं उनके लिए क्या सुरक्षा व्यवस्था है?

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर, यह वी०आई०पी० सिक्योरिटी से संबंधित प्रश्न है इसलिए इसका कैसे उत्तर दिया जाए।

श्रीमती सविता शारदा: सर, वी०आई०पी० के साथ-साथ उन्होंने कहा है कि आम जनता के लिए क्या व्यवस्था है?

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: इस प्रश्न से उसका कोई संबंध नहीं है।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: सभापति महोदय, वी०आई०पी० की सिक्योरिटी व्यवस्था पर जो जवाब आया है, उसे पढ़कर लगता है कि ऐसा ही जवाब है कि क्या कार्यवाही की जाती है, क्या नहीं की जाती है। उनकी सुरक्षा हो, इसलिए उनकी जान की रक्षा करने के लिए सुरक्षा दी जाती है। बेअंतसिंह के पास सुरक्षा थी, बुलेटप्रूफ गाड़ी थी, लेकिन उनको बचा नहीं सके।

इंदिरा जी के पास सुरक्षा थी, लेकिन उनको बचा नहीं सके। इसी तरह बहुत सारे वी०आई०पी० को पूरी सुरक्षा दी गई, लेकिन उसके बावजूद भी नहीं बचा सके। किन्तु आज सिर्फ वी०आई०पी० को सुरक्षा देने के नाम पर, आज जो आसाम में घटना घटी है, उसमें स्कूली बच्चों को अगर सुरक्षा व्यवस्था हुई होती तो यह घटना नहीं घटती। वहां इंडिपेंडेंस डे का एक वी०आई०पी० प्रोग्राम था, टेरोरिस्ट इनफेक्टिड एरिया का प्रोग्राम था, चूंकि वहां कोई वी०आई०पी० नहीं आ रहा था इसलिए कोई सुरक्षा की व्यवस्था नहीं थी। इसलिए आई ई डी लगा दिया गया। सिर्फ जहां पर वी०आई०पी० की मूवमेंट होगी, वहां पर सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। क्या आम जनता की सुरक्षा के लिए कोई कारगुजारी की जा रही है?

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर देश की आम सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अगर कोई प्रश्न होता तो उसका हम जवाब दे सकते थे। ... (व्यवधान) ... यहां पर तो वी०आई०पी० की सुरक्षा का प्रश्न है उसका जवाब हमने दे दिया है। जहां कहीं भी ... (व्यवधान) ... देंगे। ... (व्यवधान) ...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: ये मेरे प्रश्न का जवाब नहीं दे रहे हैं। मैंने सीधे सवाल किया है कि इंदिरा जी को सुरक्षा प्राप्त थी, उसके बाद उनकी हत्या हुई। सुरक्षा थी, बुलेटप्रूफ गाड़ी थी और बुलेटप्रूफ जैकेट वाले सिक्योरिटी एजेंट थे, उसके बावजूद बेअंतसिंह की हत्या हुई। सुरक्षा होते हुए, राजीव गांधी जी की हत्या हुई। सुरक्षा के लिए, इसकी बात छोड़िए। सुरक्षा मिलने के बावजूद आप सुरक्षा नहीं कर सकते तो आम जनता की सुरक्षा कैसे करेंगे? (व्यवधान) आप कैजुअल जवाब तो दीजिए।

श्री सभापति : आप यह चाहते हैं कि वी०आई०पी० की सुरक्षा के लिए जो इंतजाम किए हैं, वे नहीं होने चाहिए।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: सभापति जी, फुलप्रूफ तो हो। ये जनता के बारे में फुलप्रूफ नहीं है।

श्री सभापति: यह बता दें कि फुलप्रूफ होना चाहिए।

गृह मंत्री श्री शिवराज वी० पाटिल: आपने जो कहा है, वह बात हम सब लोगों के ध्यान में है, इसके लिए यह नहीं कहा जा सकता कि वह बात सही नहीं है। मगर मैं यह भी आपके सामने

रखना चाहूंगा कि आम जनता की सुरक्षा के लिए सारा पुलिस बल है, स्टेट का पुलिस बल है, केंद्र का पुलिस बल है और कभी-कभी तो हम अपने सुरक्षा बलों की मदद लेकर भी काम करते हैं। यह बात सही है कि इतना होने पर भी वी०आई०पी० की हत्या हो जाती है, इतना होने पर भी ऐसे कई हादसे हो जाते हैं, जिसकी वजह से जान-माल का नुकसान होता है। ऐसा न हो, यह करने के लिए हम कदम उठाते आए हैं, आगे और ज्यादा कदम उठाएंगे। आप सब लोगों से राय लेंगे इसमें क्या तब्दीली की जा सकती है, इसे भी हम देख सकते हैं। मगर यह मानना सही नहीं है कि केवल वी. आई.पी.जी. की सुरक्षा की बात की जाती है, आम आदमी की सुरक्षा की नहीं की जाती है। आम जनता के लिए स्टेट की पुलिस, गवर्नमेंट आफ इंडिया की पुलिस है तथा और सुरक्षा बल भी काम करते हैं।

MR. CHAIRMAN : Next question.

SHRIMATI VANGA GEETHA: Question No. 323(Interruptions)

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, मुझे 322 पर सवाल पूछना है।

श्री सभापति : नहीं, वह हो गया है।

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, मेरा सवाल है।...(व्यवधान)...

श्री सभापति : यह गलत बात है...(व्यवधान)....वे बोल रही हैं...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी,

श्री सभापति : क्वेश्चन दूसरा आ गया है...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि...(व्यवधान)...

श्री सभापति : नहीं आप बैठ जाइए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, मैं सिर्फ इतना जानना चाहता हूँ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूँ...(व्यवधान)....माननीय सदस्य आप बैठ जाइए... (व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, जो वर्तमान प्रधानमंत्री हैं और पूर्व प्रधानमंत्री हैं, उनकी सुरक्षा की तो व्यवस्था हो रही है, मगर जो पूर्व उप प्रधानमंत्री हैं, उनके लिए भी उसी तरह से ट्रैफिक रोका जाता है...(व्यवधान)...

श्री सभापति : चलिए बैठ जाइए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : इनके लिए भी उसी प्रकार से ट्रैफिक रोका जाता है, इससे बड़ी कठिनाई होती है। इस पर भारी व्यय होता है...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : इनके लिए भी ऐसी व्यवस्था करने की क्या आवश्यकता है। सभापति जी, पूर्व प्रधानमंत्री ठीक हैं लेकिन पूर्व उप प्रधानमंत्री जी के लिए ऐसी व्यवस्था करने की क्या आवश्यकता है...(व्यवधान).... इसकी क्या आवश्यकता है...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बैठ जाइए, हो गया...(व्यवधान)....काफी हो गया है...(व्यवधान)....बैठ जाइए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : हम लोगों को ट्रैफिक के कारण दिक्कत होती है...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बैठ जाइए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : इनके लिए इसकी क्या आवश्यकता है...(व्यवधान)....सभापति जी, इनकी वजह से भारी ट्रैफिक जाम हो जाता है।

श्री सभापति : माननीय सदस्य, मैंने आपको अलाऊ नहीं किया है...(व्यवधान)....दूसरा क्वेश्चन बोल दिया गया है...(व्यवधान)....आप बैठ जाइए...(व्यवधान)...

प्रो० रामदेव भंडारी : सभापति जी, क्या आवश्यकता है...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए, माननीय सदस्य...(व्यवधान)....नेक्स्ट क्वेश्चन, श्रीमती वंगा गीता...(व्यवधान)....आप बैठ जाइए...(व्यवधान)....आपकी बात खत्म हो गई...(व्यवधान)....बैठ जाइए...(व्यवधान)....आपका टाइम खत्म हो गया। श्रीमती वंगा गीता।

Non-utilisation of funds under the Rural Drinking Water Schemes

***323. SHRIMATI VANGA GEETHA:** Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the outlay for the Rural Drinking Water Schemes is not being utilized fully for years together;

(b) the reasons for non-utilisation of funds by the States for drinking water in rural areas; and